अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : द्वितीय – जैन धर्म प्रवेशिका (परीक्षा 30 जून, 2013)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	कुल योग
प्राप्तांक										
पूर्णांक	10	10	10	5	5	12	12	18	18	100
पुनः जाँच										

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1=(10)**

(a) अज्ञानरूपी अधंकार को मिटाकर ज्ञान रूपी प्रकाश को फैलाने वाले को क्या कहते हैं -

(क) देव (ख) गुरू

(ग) सिद्ध (घ) साधक ( )

(b) सामायिक में गमनागमन के दोषों के शोधन के लिए कौनसा पाठ बोला जाता है -

(क) ईर्यापथिक सूत्र (ख) आत्मशुद्धि सूत्र

(ग) नवकार मंत्र (घ) कायोत्सर्ग शुद्धि सूत्र ( )

(c) सामायिक कितने करण व योग से ली जाती है -

(क) 3 करण 3 योग (ख) 2 करण 3 योग

(ग) 3 करण 2 योग (घ) 2 करण 2 योग ( )

(d) सामायिक में मन के कितने दोष हैं -

(क) 12 (ख) 8

(ग) 10 (घ) 5 ( )

(e) रूपी पुद्गल के कितने भेद हैं -

(क) 6 (ख) 4

(ग) 10 (घ) 3 ( )

(f) मोक्ष तत्त्व के कितने भेद हैं -

(क) 3 (ख) 2

(ग) 4 (घ) 6 ( )

(g) भगवान पार्श्वनाथ के पिता का नाम क्या था -

(क) अश्वसेन (ख) विश्वसेन

(ग) जगन्नाथ (घ) वज्रनाभ ( )

(h) ओम शान्ति शान्ति ..... प्रार्थना के रचयिता हैं -

(क) आचार्य श्री हीराचन्द्रजी म.सा. (ख) आचार्य श्री हस्तीमल जी म.सा.

(ग) उपाध्याय श्री मानचन्द्रजी म.सा. (घ) श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनि जी म.सा.( )

(i) यतना का अर्थ है -

(क) प्रयत्न (ख) पाप

(ग) विवेक (घ) निर्दोषता ( )

(j) उत्तराध्ययन के ग्यारहवें अध्ययन में शिक्षा-प्राप्ति के कितने बाधक कारण बताए गये हैं -

(क) 4 (ख) 5

(ग) 8 (घ) 6 ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1=(10)**

(a) नवकार मंत्र में व्यक्ति पूजा का भाव है। ( )

(b) पंच महाव्रत धारी, समिति गुप्ति का पालन करने वाले साधक, गुरू होते हैं। ( )

(c) कायोत्सर्ग शरीर को स्थिर, वचन को मौन व मन को एकाग्र कर किया जाता है। ( )

(d) सामायिक में निरवद्य योग का त्याग किया जाता है। ( )

(e) कुदेव, कुगुरू और कुधर्म पर श्रद्धा करना पाप है। ( )

(f) रसनेन्द्रिय को वश में रखें तो आस्त्रव है। ( )

(g) पार्श्वनाथ के दस भवों में पाँचवा अच्युत देव का भव है। ( )

(h) जरा कर्म देखकर करिए, प्रार्थना के रचयिता श्री जीतमल जी चौपड़ा है। ( )

(i) गुरूद्रोही महापापी है। ( )

(j) भूख से अधिक भोजन करना यतना है। ( )

प्र.3 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए :- **10x1=(10)**

(a)	प्रणिपात	-	अभ्याख्यान	.....
(b)	संज्ञा	-	जगह देना	.....
(c)	लयन पुण्य	-	4	.....
(d)	झूठा कलंक लगाना	-	नमोत्थुणं	.....
(e)	अनशन	-	मोक्ष तत्त्व	.....
(f)	सम्यक् दर्शन	-	निर्जरा तत्त्व	.....
(g)	खासिएणं	-	विराधना	.....
(h)	बीयक्कमणे	-	आगार	.....
(i)	निदान दोष	-	वचन दोष	.....
(j)	संक्षेप दोष	-	मन दोष	.....

प्र.4 मुझे पहचानो :- **5x1=(5)**

(a) मुझे पंच परमेष्ठी भी कहा जाता है। .....

(b) मेरे द्वारा सामायिक करने की प्रतिज्ञा की जाती है। .....

(c) मैं 36 गुणों का धारक हूँ। .....

(d) मेरा दूसरा नाम उत्कीर्तन सूत्र भी है। .....

(e) मेरा गुण सड़न-गलन-विध्वंसन है। .....

प्र.5 एक शब्द में उत्तर दीजिए :- 5x1=(5)

(a) आध्यात्मिक साधना के क्षेत्र में किसका स्थान सबसे ऊँचा है ? .....

(b) जीव तत्त्व के कितने भेद हैं ? .....

(c) स्थावर कितने प्रकार के होते हैं ? .....

(d) अंक 11 के कितने भंग होते हैं ? .....

(e) अरूपी अजीव के कितने भेद होते हैं ? .....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :- 6x2=(12)

(a) एक सामायिक कितने मुहूर्त्त की होती है ?

.....

(b) कायोत्सर्ग के कितने आगार हैं ?

.....

(c) महापापी होने का कोई एक लक्षण पाठ्यपुस्तक के आधार पर लिखिए।

.....

(d) यतना से होने वाला कोई एक लाभ पाठ्यपुस्तक के आधार पर लिखिए।

.....

(e) पार्श्वनाथ भगवान कितने वर्ष तक गृहस्थ जीवन में रहे थे ?

.....

(f) श्रावक जी के कितने व्रत होते हैं ?

.....

प्र.7 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में लिखिए :- 6x2=(12)

(a) दस भवनपतियों के दस दण्डक के नाम लिखिए।

.....

.....

(b) **छः द्रव्यों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(c) **पार्श्वनाथ भगवान ने नाग का उद्धार कैसे किया ?**

.....

.....

(d) **ज्ञान-प्राप्ति का कोई एक बाधक कारण अर्थ सहित लिखिए।**

.....

.....

(e) **ऋषभ प्रभु को बारह मास तक आहार पानी क्यों नहीं मिला?**

.....

.....

(f) **जयं चरे जयं चिट्ठे, जयं आसे जयं सये।**

जयं भुंजंतो भासंतो, पावं कम्मं न बंधइ।। गाथा का अर्थ लिखिए।

.....

.....

प्र.8 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए :- 6x3=(18)

(a) **भगवान पार्श्वनाथ के पूर्व के दस भवों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

(b) **तिर्यच के 48 भेद लिखिए।**

.....

.....

.....

(c) **लोगस्स पाठ का क्या प्रयोजन है ?**

.....

.....

.....

(d) **पर्युपासना कितने प्रकार की होती है?अर्थ सहित लिखिए।**

.....

.....

.....

(e) **साधु किसे कहते हैं ?**

.....

.....

.....

(f) **आकाशास्तिकाय को कौन-कौनसे पाँच बोलों से पहचाना जाता है?**

.....

.....

.....

प्र.9 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन पंक्तियों में लिखिए :- 6x3=(18)

(a) **अरिहन्त व सिद्ध में क्या अन्तर है ?**

.....

.....

.....

(b) **विराधना कितने प्रकार की होती है और कौन-कौनसी है ?**

.....

.....

.....

(c) आठ आत्मा के नाम लिखिए।

.....

.....

.....

(d) यतना की आवश्यकता एवं महत्त्व को समझाइए।

.....

.....

.....

(e) वाणव्यन्तर के 16 भेद लिखिए।

.....

.....

.....

(f) निर्जरा तत्त्व के 12 भेद लिखिए।

.....

.....

.....